Daily Current Affairs

Date : 10 February, 2026

अनुक्रमणिका

क्र. सं.	टॉपिक का नाम
1.	'विश्व की वृहत् अन्न भण्डारण योजना' के क्रियान्वयन में राजस्थान शीर्ष पर
2.	गणतंत्र दिवस-2026 : राज्य स्तरीय समारोह की उत्कृष्ट झाँकियाँ
3.	'सेंटर ऑफ एक्सीलेंस फॉर क्लाइमेट चेंज' एवं 'क्लीन एंड ग्रीन टेक्नोलॉजी डवलपमेंट सेंटर'
4.	राजस्थान शिक्षा विभाग की ज़िला एकेडमिक रैंकिंग
5.	राजस्थान में 'अटल ज्ञान केंद्रों' की स्थापना
6.	'रामगढ़ क्रेटर' पर नवीन वैज्ञानिक शोध
7.	न्यूज़ इन शॉर्ट्स 1. प्लग एंड प्ले मिनी टेक्सटाइल पार्क : कोटा 2. दिव्यांग पर्यटकों के लिए विशेष वाहन वाला देश का पहला टाइगर रिजर्व 3. राज्य स्तरीय वन मेला : जयपुर 4. चम्बल नदी पर एक्वाडक्ट का निर्माण 5. अजमेर के पाँच स्थानों का नाम परिवर्तित
8.	नवपाषाण युग (7000 ईसा पूर्व – 2000 ईसा पूर्व)
9.	भारत और ग्रीस
10.	भारत-मलेशिया राजनयिक संबंध
11.	भारत-अमेरिका अंतरिम व्यापार समझौते का ढाँचा

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

राजस्थान परिदृश्य

'विश्व की वृहत् अन्न भण्डारण योजना' के क्रियान्वयन में राजस्थान शीर्ष पर

चर्चा में क्यों?

- 31 जनवरी, 2026 तक के प्राप्त आँकड़ों के अनुसार, विश्व की वृहत् अन्न भण्डारण योजना के क्रियान्वयन में राजस्थान देश में पहले स्थान पर है।

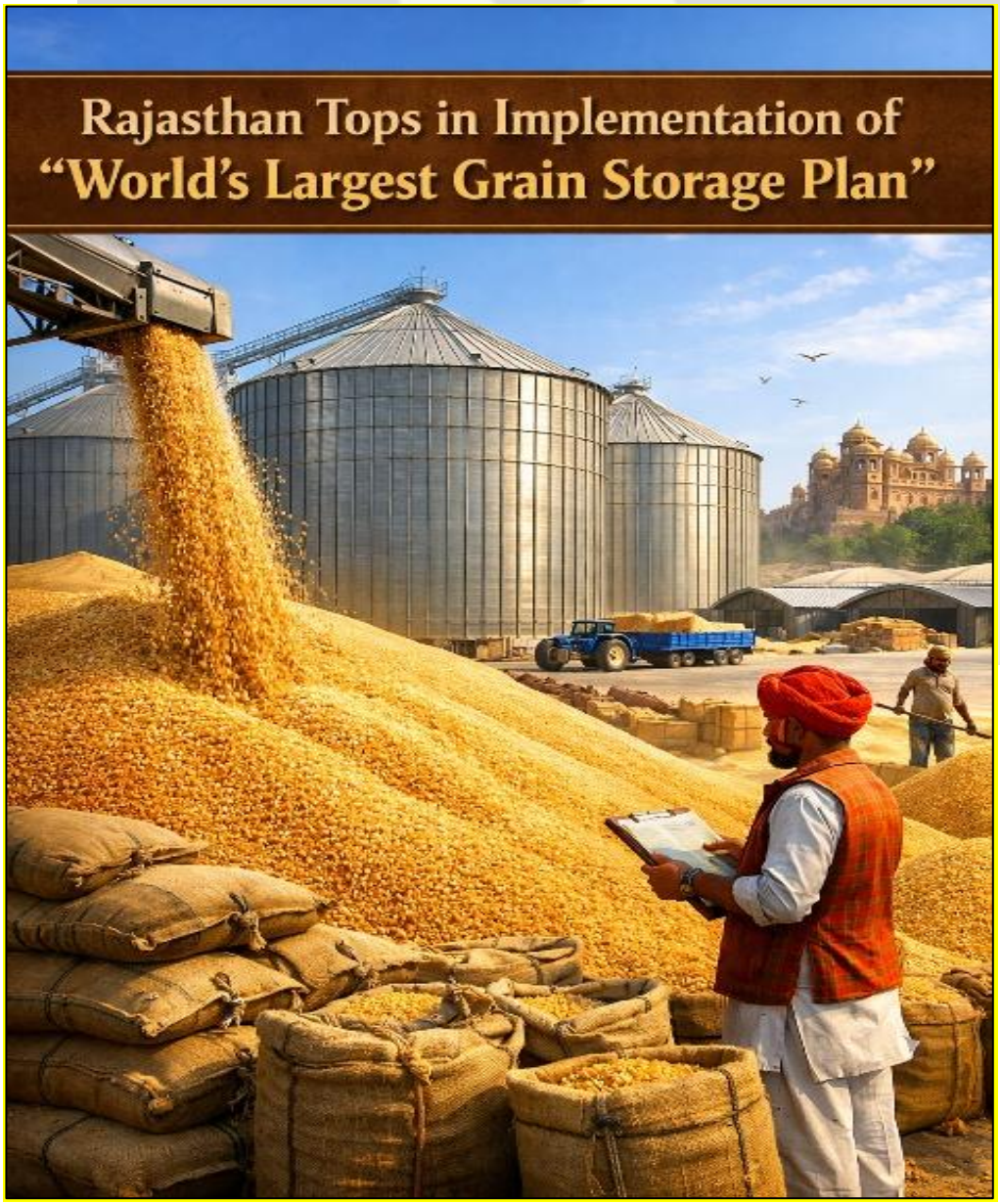

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

मुख्य बिन्दु:

- साथ ही, राजस्थान राष्ट्रीय स्तर पर गठित तीन बहुराज्यीय सहकारी समितियों की सदस्यता और 'राज सहकार पोर्टल' के NCD पोर्टल के साथ इंटीग्रेशन में भी देश के अग्रणी राज्यों में शामिल है।
- राजस्थान देश का एकमात्र राज्य है जहाँ 500 मीट्रिक टन क्षमता के गोदामों के निर्माण के लिए राज्य सरकार द्वारा शत-प्रतिशत अनुदान दिया जा रहा है।
- विश्व की वृहत् अन्न भण्डारण योजना के अंतर्गत अब तक 500 मीट्रिक क्षमता के 200 गोदामों में से 190 गोदाम स्वीकृत किए जा चुके हैं जबकि 95 गोदामों का निर्माण कार्य पूर्ण किया जा चुका है।

योजना के बारे में:

- देश में अन्न भंडारण क्षमता की कमी को दूर करने के लिए 31 मई, 2023 को 'सहकारी क्षेत्र में विश्व की सबसे बड़ी अन्न भंडारण योजना' को केंद्र सरकार द्वारा अनुमोदित किया गया जिसे प्रारंभ में एक पायलट परियोजना के रूप में शुरू किया गया था।
- इस योजना में कृषि अवसंरचना निधि (AIF), कृषि विपणन अवसंरचना योजना (AMI), कृषि यांत्रिकीकरण पर उपयोजना (SMAM), प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य उद्योग उन्नयन योजना (PMFME) आदि को एकीकृत किया गया है।
- योजना के तहत प्राथमिक कृषि ऋण समिति (PACS) स्तर पर गोदामों, कस्टम हाइरिंग केंद्रों, प्रसंस्करण इकाइयों, उचित मूल्य की दुकानों जैसी विभिन्न कृषि अवसंरचना का निर्माण करना शामिल है।

अन्य महत्त्वपूर्ण बिन्दु:

राज्य सहकारी विकास समिति (SCDC) की 8th बैठक:

- हाल ही में, जयपुर में मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास की अध्यक्षता में राज्य सहकारी विकास समिति (SCDC) की 8वीं बैठक आयोजित की गई।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

- **मुख्य उद्देश्य :** राजस्थान में 'सहकार से समृद्धि' पहल को बढ़ावा देना।
- राज्य में फरवरी, 2026 तक 5952 प्राथमिक कृषि ऋण समितियों (PACS) के कम्प्यूटराइजेशन का कार्य पूर्ण किया जा चुका है। साथ ही, 4141 PACS का प्रधानमंत्री किसान समृद्धि केन्द्र एवं 5980 PACS का कॉमन सर्विस सेंटर व ई-मित्र कियोस्क के रूप में उन्नयन किया जा चुका है। राजस्थान में वर्तमान में 61 प्राथमिक कृषि ऋण समितियाँ (PACS) FPO के रूप में कार्य कर रही हैं।
- **नोट :** नवीन बहुउद्देशीय PACS के गठन में राज्य का देश में दूसरा एवं डेयरी सहकारी समितियों के गठन में तीसरा स्थान है।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

गणतंत्र दिवस-2026 : राज्य स्तरीय समारोह की उत्कृष्ट झाँकियाँ

चर्चा में क्यों?

- हाल ही में, राजस्थान के मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास द्वारा गणतंत्र दिवस-2026 के राज्य स्तरीय समारोह में प्रदर्शित विभिन्न राजकीय विभागों की उत्कृष्ट झाँकियों को पुरस्कृत किया गया।

मुख्य बिन्दु:

शीर्ष – 3 झाँकियाँ:

- **प्रथम स्थान :** कृषि विभाग की 'नमो ड्रोन दीदी' झाँकी। (झाँकी में आधुनिक तकनीकों के माध्यम से खेती और कृषि क्षेत्र में महिला सशक्तीकरण का संदेश प्रस्तुत किया गया।)
- **द्वितीय स्थान :** कला एवं संस्कृति विभाग की 'राजस्थानी कला' थीम पर आधारित झाँकी।
- **तृतीय स्थान :** चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग की 'माँ योजना' थीम पर आधारित झाँकी।
- **राज्य स्तरीय समारोह :** जयपुर स्थित सवाई मान सिंह स्टेडियम में।

फैक्ट्स फॉर प्रीलिम्स:

कर्तव्य पथ पर राजस्थान की झाँकी:

- नई दिल्ली के कर्तव्य पथ पर आयोजित 77वें गणतंत्र दिवस परेड के दौरान राजस्थान की झाँकी में 'बीकानेर की उस्ता कला' का प्रदर्शन किया गया।
- **राजस्थान की झाँकी का विषय :** रेगिस्तान का सुनहरा स्पर्श : बीकानेर की स्वर्ण कला (उस्ता कला)।
- राजस्थान की झाँकी ने मायगव (MyGov) के 'पॉपुलर चॉइस' श्रेणी में तृतीय पुरस्कार जीता।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

'सेंटर ऑफ एक्सीलेंस फॉर क्लाइमेट चेंज' एवं 'क्लीन एंड ग्रीन टेक्नोलॉजी डवलपमेंट सेंटर'

चर्चा में क्यों?

- हाल ही में, राजस्थान राज्य प्रदूषण नियंत्रण मंडल (RSPCB) ने जलवायु परिवर्तन की चुनौती से निपटने के लिए राज्य की दो प्रमुख प्रौद्योगिकी संस्थानों के साथ एक समझौता ज्ञापन (MoU) पर हस्ताक्षर किए।

मुख्य बिन्दु:

- MoU के तहत RSPCB द्वारा IIT जोधपुर के सहयोग से 'सेंटर ऑफ एक्सीलेंस फॉर क्लाइमेट चेंज' तथा MNIT जयपुर के सहयोग से 'क्लीन एंड ग्रीन टेक्नोलॉजी डवलपमेंट सेंटर' की स्थापना की जाएगी।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

- इन सेंटर्स की स्थापना राजस्थान बजट 2025-26 की घोषणा की अनुपालना में की जा रही है।
- क्लाइमेट एक्शन प्लान–2030 के अंतर्गत स्थापित इन सेंटर्स के माध्यम से ग्रीन स्किलिंग (हरित कौशल विकास) को प्राथमिकता, अपशिष्ट को संसाधन के रूप में विकसित करना, सर्कुलर इकॉनॉमी को बढ़ावा देना, प्रदूषण नियंत्रण के लिए रिसर्च सेंटर के लिए डेटा एवं नॉलेज हब विकसित किए जाएंगे।

सेंटर ऑफ एक्सीलेंस फॉर क्लाइमेट चेंज:

- **लागत :** ₹150 करोड़।
- **स्थान :** जगतपुरा (जयपुर)।
- **MoU :** भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (IIT), जोधपुर और RSPCB के मध्य।
- **उद्देश्य :** राज्य को जलवायु परिवर्तन से संबंधित अनुसंधान, नीतिगत सलाह, नवाचार और क्षमता निर्माण के क्षेत्र में अग्रणी बनाना।
- यह केन्द्र नीति एवं तकनीकी परामर्श प्रदान करने, राजस्थान का विस्तृत जलवायु मानचित्रण तैयार करने, अर्ली वार्निंग सिस्टम और जलवायु अनुकूलन जैसे कार्यों को संपादित करेगा।
- यह केंद्र राजस्थान सरकार की दीर्घकालिक रणनीति का हिस्सा है, जो सतत अर्थव्यवस्था, पर्यावरण संरक्षण तथा स्थानीय आजीविकाओं को सुदृढ़ करने पर केंद्रित है।

क्लीन एंड ग्रीन टेक्नोलॉजी डवलपमेंट सेंटर:

- **लागत :** ₹250 करोड़।
- **स्थान :** जगतपुरा (जयपुर)।
- **MoU :** मालवीय नेशनल इन्स्टिट्यूट ऑफ़ टेक्नोलॉजी (MNIT), जयपुर और RSPCB के मध्य।
- **उद्देश्य :** पर्यावरण संरक्षण, रोजगार सृजन और सतत आर्थिक विकास को बढ़ावा देना।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

फैक्ट्स फॉर प्रीलिम्स:

उत्तर भारत का पहला ग्रीन हाइड्रोजन हब : जोधपुर

- भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (IIT) जोधपुर में उत्तर भारत का पहला ग्रीन हाइड्रोजन इनोवेशन क्लस्टर स्थापित किया जा रहा है।
- पब्लिक प्राइवेट पार्टनरशिप (PPP) मॉडल पर बनने वाला यह क्लस्टर सालाना करीब 350 टन ग्रीन हाइड्रोजन का उत्पादन करेगा, जिसकी लागत $1 से 3/किलोग्राम होगी।
- यह देश का चौथा तथा उत्तर भारत का पहला ग्रीन हाइड्रोजन क्लस्टर होगा। इसके अतिरिक्त भुवनेश्वर (पूर्व), पुणे (पश्चिम) और केरल (दक्षिण) में भी ग्रीन हाइड्रोजन क्लस्टर स्थापित किए जा रहे हैं।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

राजस्थान शिक्षा विभाग की ज़िला एकेडमिक रैंकिंग

चर्चा में क्यों?

- हाल ही में, राजस्थान स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा जनवरी, 2026 की ज़िला एकेडमिक रैंकिंग जारी की गई।

मुख्य बिन्दु:

ज़िला एकेडमिक रैंकिंग में शीर्ष पाँच ज़िले :

रैंक	ज़िले का नाम
1st	झुंझुनूं
2nd	हनुमानगढ़
3rd	चूरू
4th	सीकर
5th	भरतपुर

- रैंकिंग में अंतिम पायदान पर बाँसवाड़ा और जैसलमेर रहे।
- यह रैंकिंग राजस्थान के समस्त ज़िलों के शैक्षणिक परिणामों, विद्यालयों के दैनिक संचालन और गवर्नेंस आदि संकेतकों में प्रदर्शन के आकलन के आधार पर जारी की जाती है।
- **उद्देश्य :** जिलों के प्रदर्शन की नियमित, डेटा-आधारित समीक्षा करना और स्कूल शिक्षा प्रणाली में जवाबदेही को सुदृढ़ करना।
- रैंकिंग में छात्रों की नियमित उपस्थिति, कक्षा में शिक्षण की गुणवत्ता, फील्ड विजिट के माध्यम से निगरानी और शैक्षणिक मूल्यांकन में विद्यार्थियों के प्रदर्शन जैसे प्रमुख मानकों को शामिल किया गया है।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

फैक्ट्स फॉर प्रीलिम्स:

राजस्थान की साक्षरता दर:

- **कुल साक्षरता दर :** 66.1 प्रतिशत।
- **पुरुष साक्षरता :** 79.2 प्रतिशत।
- **महिला साक्षरता :** 52.1 प्रतिशत।
- **ग्रामीण साक्षरता :** 61.4 प्रतिशत।
- **शहरी साक्षरता :** 79.7 प्रतिशत।

सर्वाधिक साक्षरता दर वाले ज़िले:

क्रम	ज़िला	साक्षरता दर (प्रतिशत में)
1.	कोटा	76.6
2.	जयपुर	75.5
3.	झुंझुनूं	74.1
4.	सीकर	71.9
5.	अलवर	70.7

न्यूनतम साक्षरता दर वाले ज़िले:

क्रम	ज़िला	साक्षरता दर (प्रतिशत में)
1.	जालौर	54.9
2.	सिरोही	55.3
3.	प्रतापगढ़	56.0
4.	बाँसवाड़ा	56.3
5.	बाड़मेर	56.5

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

राजस्थान में 'अटल ज्ञान केंद्रों' की स्थापना

चर्चा में क्यों?

- राजस्थान सरकार द्वारा ग्रामीण युवाओं को डिजिटल शिक्षा, प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी और करियर परामर्श जैसी सुविधाएँ उपलब्ध कराने के उद्देश्य से 'ग्राम पंचायत स्तर पर' अटल ज्ञान केंद्रों की स्थापना की जा रही है।

मुख्य बिन्दु:

- प्रत्येक ग्राम पंचायत मुख्यालय पर चरणबद्ध रूप से अटल ज्ञान केंद्र स्थापित किए जा रहे हैं। प्रथम चरण में 1687 अटल ज्ञान केंद्रों को वित्तीय स्वीकृति जारी की जा चुकी है।
- इन केंद्रों की स्थापना से राज्य में शहर और गाँव, सम्पन्न और कम संसाधन वाले लोगों के मध्य व्याप्त 'डिजिटल डिवाइड' में कमी आएगी।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

- इन केंद्रों का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण युवाओं और नागरिकों को आधुनिक सुविधाओं से जोड़ना है।
- प्रत्येक केंद्र में ई-लाइब्रेरी की सुविधा उपलब्ध होगी, जहाँ पुस्तकें और शैक्षणिक सामग्री डिजिटल रूप में मौजूद रहेगी।
- प्रत्येक केंद्र में एक प्रशिक्षित 'अटल प्रेरक' नियुक्त किया जाएगा। साथ ही, केंद्रों में ई-मित्र और कॉमन सर्विस सेंटर भी स्थापित किए जाएंगे, जहाँ नागरिक राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ ले सकेंगे।

फैक्ट्स फॉर प्रीलिम्स:

अटल इनोवेशन मिशन (AIM)

- **शुरुआत :** वर्ष 2016 में।
- **सम्बद्ध विभाग :** नीति आयोग।
- **AIM के मिशन निदेशक:** दीपक बागला।
- अटल इनोवेशन मिशन, देश में नवाचार और उद्यमिता की संस्कृति को बढ़ावा देने हेतु भारत सरकार की एक प्रमुख पहल है।
- इसका उद्देश्य अर्थव्यवस्था के विभिन्न क्षेत्रों में नवाचारिता को बढ़ावा देने हेतु नए कार्यक्रमों और नीतियों को विकसित करना, विभिन्न हितधारकों के लिये मंच एवं सहयोग के अवसर प्रदान करना, लोगों के मध्य जागरूकता बढ़ाना और देश के नवाचार पारिस्थितिकी तंत्र की निगरानी हेतु एक 'अंब्रेला संरचना' (Umbrella Structure) विकसित करना है।

AIM के तहत संचालित प्रमुख पहलें:

- अटल टिंकरिंग लैब।
- मेंटर इंडिया मिशन।
- अटल इनक्यूबेशन सेंटर।
- अटल रिसर्च एंड इनोवेशन फॉर स्मॉल बिज़नेस (ARISE)
- अटल कम्युनिटी इनोवेशन सेंटर।
- अटल न्यू इंडिया चैलेंज।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

'रामगढ़ क्रेटर' पर नवीन वैज्ञानिक शोध

चर्चा में क्यों?

- बाराँ ज़िले में स्थित रामगढ़ क्रेटर पर हालिया सम्पन्न भू-वैज्ञानिक शोध को 'लूनर एंड प्लैनेटरी साइंस कॉन्फ्रेंस-2026' में प्रस्तुत किया जाएगा।

मुख्य बिन्दु:

- भू-वैज्ञानिकों के शोध में क्रेटर की तलछटी से सूक्ष्म चुंबकीय कण मिले हैं, जो संकेत देते हैं कि लगभग 16.5 करोड़ वर्ष पहले यहाँ लौह-समृद्ध उल्कापिंड का टकराव हुआ था।
- वैज्ञानिकों के अनुसार यह संरचना मध्य जुरासिक काल में तब बनी, जब एक उल्कापिंड पृथ्वी से टकराया। इस टकराव से लगभग 3.5 किलोमीटर व्यास का गोलाकार क्रेटर बना।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

रसायन एवं खनिज

- भू-वैज्ञानिकों द्वारा सम्पन्न रासायनिक जाँच में क्रेटर के कणों में आयरन, निकेल और सिलिकॉन की उपस्थिति पाई गई।
- निकेल की उपस्थिति विशेष रूप से महत्त्वपूर्ण मानी जा रही है, क्योंकि यह उल्कापिंडों में सामान्य है, जबकि रामगढ़ क्षेत्र की बलुआ पत्थर चट्टानों में यह दुर्लभ होता है।

अन्य महत्त्वपूर्ण बिन्दु:

लूनर एंड प्लैनेटरी साइंस कॉन्फ्रेंस (LPSC) 2026

- 57वीं LPSC का आयोजन 16 से 20 मार्च, 2026 तक टेक्सास (USA) में किया जाएगा।
- यह ग्रह-विज्ञान (Planetary Science) के क्षेत्र का एक प्रमुख अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन है, जो विशेषज्ञों को सहयोगी माहौल में एक मंच पर लाता है।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

न्यूज़ इन शॉर्ट्स

क्र. सं.	न्यूज़
1.	**प्लग एंड प्ले मिनी टेक्सटाइल पार्क : कोटा** ■ कोटा के रेज कासर क्षेत्र में प्लग एंड प्ले मिनी टेक्सटाइल पार्क की स्थापना की जाएगी। हाल ही में राजस्थान राज्य औद्योगिक विकास और निवेश निगम लिमिटेड (RIICO) द्वारा भूमि चिह्नित की गई। ■ इस क्लस्टर का उद्देश्य गारमेंट निर्माताओं को तैयार इंफ्रास्ट्रक्चर प्रदान करना है, ताकि वे बिना किसी देरी के अपना उत्पादन शुरू कर सकें। ■ **नोट :** गारमेंट एक्सपोर्ट बढ़ाने के लिए एक्सपोर्ट प्रमोशन काउंसिल ऑफ इंडिया (EPCI) और गारमेंट एक्सपोर्टर्स एसोसिएशन ऑफ राजस्थान द्वारा सीतापुरा (जयपुर) में हाल ही में 'एक्सपोर्टर्स मीट' का आयोजन किया गया।
2.	**दिव्यांग पर्यटकों के लिए विशेष वाहन वाला देश का पहला टाइगर रिजर्व** ■ सवाई माधोपुर स्थित रणथंभौर टाइगर रिजर्व दिव्यांग पर्यटकों के लिए विशेष वाहन की सुविधा प्रदान करने वाला देश का पहला टाइगर रिजर्व है।
3.	**राज्य स्तरीय वन मेला : जयपुर** ■ हाल ही में, जयपुर में 2 दिवसीय राज्य स्तरीय वन मेले का आयोजन किया गया। ■ **आयोजन स्थल :** सचिवालय नर्सरी, जयपुर। ■ **अवधि :** 9 एवं 10 फरवरी, 2026 ■ **उद्घाटन :** वन, पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री संजय शर्मा द्वारा। ■ **उद्देश्य :** प्रकृति संरक्षण एवं पर्यावरण जागरूकता को बढ़ावा देना। ■ राजस्थान वन विभाग द्वारा उदयपुर और कोटा की तर्ज पर संभाग स्तरीय तथा ज़िला स्तरीय वन मेलों का आयोजन किया जाएगा।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

4.	**चम्बल नदी पर एक्वाडक्ट का निर्माण** ■ 'रामसेतु लिंक परियोजना' के प्रथम चरण के तहत कोटा और बूँदी में चम्बल नदी पर एक्वाडक्ट का निर्माण किया जा रहा है। ■ यह एक्वाडक्ट कोटा की दीगोद तहसील के पीपलदा समेल गाँव और बूंदी के इंद्रगढ़ तहसील के गुहाटा गाँव के मध्य बनाया जा रहा है। ■ इस एक्वाडक्ट की लम्बाई 2280 मीटर है। एक्वाडक्ट की आंतरिक चौड़ाई 41.25 मीटर और ऊंचाई 7.7 मीटर है।
5.	**अजमेर के पाँच स्थानों का नाम परिवर्तित** ■ हाल ही में, राजस्थान गृह विभाग द्वारा अजमेर के क्रिश्चियन गंज पुलिस थाना का नाम परिवर्तित कर कृष्णगंज कर दिया गया। **अन्य परिवर्तित नाम:** ■ फॉयसागर - वरुण सागर। ■ किंग एडवर्ड मेमोरियल - महर्षि दयानंद विश्रांति गृह। ■ होटल खादिम - होटल अजयमेरू। ■ एलीवेटेड रोड का नामकरण - रामसेतु।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

इतिहास एवं संस्कृति

नवपाषाण युग (7000 ईसा पूर्व – 2000 ईसा पूर्व)

चर्चा में क्यों?

- हाल ही में कर्नाटक के बेल्लारी जिले में अति-सुरक्षित मानव शवाधान स्थल का पता लगाया है। यह शवाधान स्थल नवपाषाण और उत्तरवर्ती काल से संबंधित है।

मुख्य बिन्दु:

नवपाषाण युग – अतिरिक्त जानकारी-

- **विशेषता:** पॉलिस या घिसाई द्वारा तैयार किए गए पत्थर के औजार, कृषि हेतु पौधों और पशुओं पर निर्भरता, स्थायी ग्रामीण बस्तियाँ तथा मृद्भाण्डों आदि।
- भारत की नवपाषाण संस्कृतियाँ हड़प्पा, ताम्रपाषाण और खाद्य संग्राहक समुदायों की समकालीन थी।
- **भारत में नवपाषाण स्थल:** कश्मीर (बुर्जहोम), विन्ध्य क्षेत्र, मिर्जापुर, बेलन घाटी, उत्तरी बिहार, असम और उप हिमालयी क्षेत्र, प्रायद्वीपीय भारत आदि।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

अंतरराष्ट्रीय परिदृश्य

भारत और ग्रीस

चर्चा में क्यों?

- भारत और ग्रीस ने रक्षा औद्योगिक सहयोग को बढ़ावा देने के लिए एक संयुक्त घोषणापत्र पर हस्ताक्षर किए हैं।

मुख्य बिन्दु:

घोषणापत्र और बैठक की मुख्य बातें:

- **रक्षा औद्योगिक सहयोग:** रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और ग्रीस के रक्षा मंत्री निकोलाओस-जॉर्जियोस डेंडियास के बीच हुई इस बैठक का मुख्य उद्देश्य दोनों देशों के बीच रक्षा औद्योगिक सहयोग को मजबूत करना है।
- **5-वर्षीय रोडमैप:** यह घोषणापत्र रक्षा क्षेत्र में साझेदारी बढ़ाने के लिए एक पाँच साल के रोडमैप को विकसित करने की दिशा में शुरुआती कदम है।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

- **स्वदेशी क्षमताओं का विस्तार:** दोनों देशों ने भारत के 'आत्मनिर्भर भारत' अभियान और ग्रीस के 'एजेंडा 2030' रक्षा सुधारों के बीच तालमेल बिठाकर अपनी स्वदेशी रक्षा उद्योग क्षमता बढ़ाने पर सहमति जताई।
- **सैन्य सहयोग योजना 2026:** बैठक के दौरान वर्ष 2026 के लिए द्विपक्षीय सैन्य सहयोग योजना का भी आदान-प्रदान किया गया, जो दोनों देशों के सशस्त्र बलों के बीच भविष्य के सैन्य जुड़ाव की रूपरेखा तैयार करेगी।
- **समुद्री सुरक्षा:** ग्रीस ने गुरुग्राम स्थित सूचना संलयन केंद्र-हिंद महासागर क्षेत्र (IFC-IOR) में अपना एक अंतर्राष्ट्रीय संपर्क अधिकारी तैनात करने की घोषणा की है, जिससे समुद्री सुरक्षा सहयोग बढ़ेगा।
- यह कदम दोनों देशों के बीच 2023 में स्थापित रणनीतिक साझेदारी (Strategic Partnership) को और अधिक ठोस बनाने की दिशा में एक बड़ी उपलब्धि है।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

भारत-मलेशिया राजनयिक संबंध

चर्चा में क्यों?

- प्रधानमंत्री ने मलेशिया की यात्रा के दौरान एक संयुक्त वक्तव्य जारी किया गया। इसमें क्षेत्रीय स्थिरता, आर्थिक एकीकरण और प्रौद्योगिकी में सहयोग के प्रति साझा प्रतिबद्धता पर बल दिया गया।
- अगस्त 2024 में भारत-मलेशिया राजनयिक संबंधों को व्यापक रणनीतिक साझेदारी के स्तर तक बढ़ा दिया गया था।

मुख्य बिन्दु:

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

संयुक्त वक्तव्य में की गई मुख्य घोषणाएँ:

रणनीतिक और रक्षा सहयोग:

- रणनीतिक मामलों पर कार्य समूह और Su-30 फोरम का गठन किया जाएगा। Su-30 फोरम दोनों देशों की वायु सेनाओं के बीच रखरखाव एवं तकनीकी विशेषज्ञता पर सहयोग को सक्षम बनाएगा।
- आतंकवाद के प्रति 'शून्य सहिष्णुता' का आह्वान किया गया।

ऊर्जा और जलवायु सहयोग:

- मलेशियाई कंपनियाँ भारत के सौर ऊर्जा और ग्रीन हाइड्रोजन क्षेत्रकों में निवेश का विस्तार कर रही हैं।
- नेट-जीरो उत्सर्जन के प्रति साझा प्रतिबद्धता व्यक्त की गई।
- **सेमीकंडक्टर सहयोग:** कार्यबल विकास, आपूर्ति श्रृंखला लचीलापन और संस्थागत जुड़ाव पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा।

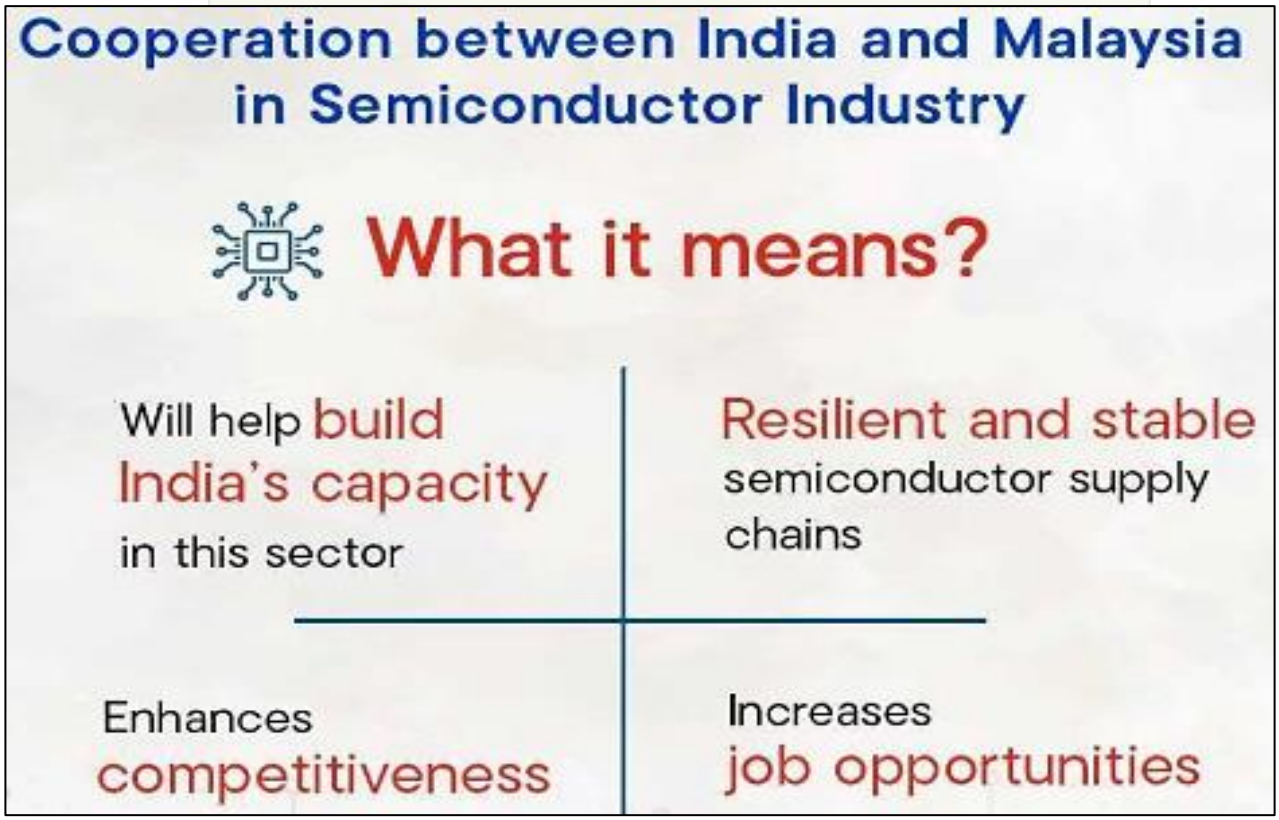

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

व्यापार और निवेश:

- भारतीय रिज़र्व बैंक (RBI) और बैंक नेगारा मलेशिया के सहयोग से स्थानीय मुद्राओं में व्यापार के निपटान (INR–MYR) को प्रोत्साहन।
- व्यापार, लचीली आपूर्ति श्रृंखला, निवेश और उन्नत विनिर्माण में सहयोग किया जा रहा है।

खाद्य सुरक्षा और कृषि

- मलेशिया ने एक विश्वसनीय ऑयल पाम आपूर्तिकर्ता के रूप में अपनी प्रतिबद्धता दोहराई।

क्षेत्रीय और बहुपक्षीय सहयोग

- संयुक्त राष्ट्र सुधारों और पुनर्गठित संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (UNSC) में भारत की स्थायी सदस्यता के लिए समर्थन दोहराया गया।
- आसियान सेंट्रलिटी और शांति के लिए आसियान आउटलुक ऑन द इंडो-पैसिफिक (AOIP) के कार्यान्वयन का समर्थन किया गया।
- इसमें AOIP और भारत की 'इंडो-पैसिफिक ओशन्स इनिशिएटिव' (IPOI) के बीच सहयोग को बढ़ावा।
- दोनों देशों ने अंतर्राष्ट्रीय कानून के सिद्धांतों के आधार पर नौवहन की स्वतंत्रता आदि के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराई, जैसा कि संयुक्त राष्ट्र समुद्री विधि अभिसमय (UNCLOS) 1982 ।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

भारत-अमेरिका अंतरिम व्यापार समझौते का ढाँचा

चर्चा में क्यों?

- भारत और संयुक्त राज्य अमेरिका ने शुल्क कम करने, ऊर्जा संबंधों को मजबूत करने और आर्थिक सहयोग को गहरा करने के उद्देश्य से एक अंतरिम व्यापार ढाँचा प्रस्तुत किया है।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

मुख्य बिन्दु:

- यह रूपरेखा फरवरी, 2025 में शुरू होने वाले व्यापक अमेरिका-भारत द्विपक्षीय व्यापार समझौते (BTA) का अग्रदूत है।
- इस समझौते का उद्देश्य पारस्परिक, संतुलित व्यापार और आपूर्ति श्रृंखला सुरक्षा को बढ़ाना है।

भारत की टैरिफ संबंधी कार्रवाइयाँ

- सभी अमेरिकी औद्योगिक वस्तुओं पर टैरिफ को समाप्त या कम करना।
- अमेरिका में विभिन्न कृषि और खाद्य उत्पादों जैसे सूखे अनाज, लाल ज्वार, मेवे आदि पर शुल्क कम करना।
- चुनिंदा क्षेत्रों में तरजीही बाजार पहुँच प्रदान करना।

अमेरिकी टैरिफ कार्रवाई

- वस्त्र, परिधान और अन्य सहित अधिकांश भारतीय वस्तुओं पर 18% का टैरिफ लागू करना।
- अंतरिम समझौते के लागू होने के बाद जेनेरिक दवाओं और विमान के पुर्जों जैसे भारतीय सामानों पर लगे टैरिफ हटा दिए जाएंगे।

स्टील, एल्युमीनियम और ऑटो पार्ट्स

- इस्पात, एल्युमीनियम और ताँबे से संबंधित भारतीय विमान पुर्जों पर लगाए गए कुछ शुल्कों को हटाना।
- भारत को ऑटो पार्ट्स के लिए तरजीही टैरिफ-दर कोटा प्राप्त होगा।

गैर-टैरिफ बाधाएँ

- भारत अमेरिका से आयात होने वाले चिकित्सा उपकरणों, सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी (आईसीटी) सामानों और कृषि उत्पादों को प्रभावित करने वाली बाधाओं की समीक्षा करेगा।
- वार्ता का उद्देश्य छह महीने के भीतर अमेरिकी या अंतरराष्ट्रीय मानकों को स्वीकार करना होगा।

भारत की खरीद प्रतिबद्धताएँ

- भारत की योजना अगले पाँच वर्षों में ऊर्जा उत्पादों और प्रौद्योगिकी सहित 500 अरब डॉलर मूल्य के अमेरिकी सामान खरीदने की है।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR